Express train from Hyderabad to Calcutta

*265. SHRI S. B. RAMESH BABU: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government propose to start a Mail/Express train between Hyderabad and Calcutta; and

(b) if so, by when the proposal is likely to be sanctioned and what will be the additional cost involved therein?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI P. C. SETHI): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

सरदार बांध का निर्माण

*266. श्री प्यारे लाल खंडेलवाल : क्या सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नर्मदा परियोजना के सरदार बांध के निर्माण हेतु सम्बन्धित राज्यों ने अपने-अपने हिस्से की राशि दे दी है ;

(ख) यदि नहीं, तो किन-किन राज्यों ने अपने-अपने हिस्से की राशि नहीं दी है और केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है ;

(ग) उक्त परियोजना के निर्माण हेतु विश्व बैंक के अध्ययन दल के प्रतिवेदन का ब्यौरा क्या है ; और

(घ) सरदार बांध के निर्माण का कितना कार्य पूरा हो गया है ?

सिंचाई मंत्री (श्री केदार पांडे) : (क) और (ख) महाराष्ट्र राज्य को छोड़कर, जिसने उसने बकाया राशि के एक भाग के रूप में 3 करोड़ रुपए की राशि का पहले ही भुगतान कर दिया है, अन्य दो राज्यों —मध्य प्रदेश तथा राजस्थान ने सरदार सरोवर बांध के निर्माण की लागतों के अपने अपने भागों का अभी तक भुगतान नहीं किया । इस मामले पर विचार-विमर्श करने के लिए, दिसम्बर, 1981 में सिंचाई के प्रभारी केन्द्रीय मंत्री द्वारा इन राज्यों के मुख्य मंत्रियों की एक बैठक आयोजित की गई थी । बाद में, अपनी-अपनी बकाया राशि को पूरा करने और 1982–83 के लिए आवश्यक व्यवस्था करने के लिए सम्बन्धित राज्यों को 1982–83 की वार्षिक योजना में निधि की पर्याप्त व्यवस्था करने के लिए इस मामले को योजना आयोग के साथ उठाया गया था । मध्य प्रदेश तथा राजस्थान के मुख्य मंत्रियों से भी अनुरोध किया गया है कि वे अपनी बकाया राशियों का गुजरात को शीघ्र भुगतान कर दें । इस प्रकार, अपने-अपने हिस्से की लागत का समय पर भुगतान करने हेतु राज्य सरकारों को राजी करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं ।

(ग) विश्व बैंक ने किसी अध्ययन दल की रिपोर्ट नहीं भेजी है । विश्व बैंक को प्रस्तुत की गई एक निर्धारण रिपोर्ट के आधार पर, उसने आयोजन के लिए मार्गदर्शी सिद्धान्त दिए हैं, जिनके आधार पर उनके मूल्यांकन तथा वित्तपोषण के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार की जायेगी ।

(घ) अब तक आरम्भ किये गये कार्यों में मुख्यतः सड़कों, कार्यालय तथा रिहायशी भवनों का निर्माण, नदी-व्यय-वर्तन, नींव की खुदाई तथा उसकी अभिक्रिया जिसमें कंक्रीट डालने और तीन बांधों (डाइक्स) का निर्माण शामिल है, जैसे प्रारम्भिक कार्य शामिल हैं ।